अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 21.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 12

(क) आचार्य भिक्षु ने मृत्यु-भोज वाले घर में दूसरे दिन भी गोचरी नहीं करने का नियम किनके लिए बनाया?

(ख) सूत्र और साधु का वचन मानने से कौन सा रोग जा सकता है?

(ग) 'देवता को मानने का निषेध करने पर वे उपद्रव खड़ा कर देंगे।' कथन के प्रत्युत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(घ) कीकी बाई ने अपने पाप का फल किस रूप में देखा?

(ङ) उत्तराध्ययन के कौन से अध्ययन में कितनी प्रवचन माताओं का उल्लेख है?

(च) मिथ्यात्व को नष्ट करने के लिए आचार्य भिक्षु किसका प्रयोग करते थे?

(छ) टोडरमल जी ने किस की स्थापना की?

(ज) हेम जी स्वामी ने भगवान की तपस्या को कौन सा भाव व नमूना कहा?

(झ) 'जिन प्रतिमा जिन सारखी' से क्या तात्पर्य है?

(ञ) 'तुम भीखण जी के श्रावक हो सो अन्न बिना मरोगे' हेमजी स्वामी ने प्रत्युत्तर में क्या कहा?

(ट) भीलवाड़ा में हेमजी स्वामी (गृहस्थावस्था) ने किसका व्याख्यान लोगों को सुनाया?

(ठ) खेतसी जी स्वामी ने भगवती को किसके बराबर माना?

(ड) अपने बारह कर्म किसने बताये वे किसके शिष्य थे?

(ढ) रतन जी ने शुभ योग को संवर किस न्याय से बताया?

(ण) 'भीखण जी का साधु तो अकेला नहीं घूमता' तब प्रत्युत्तर में रूपचंद जी ने क्या कहा?

प्र. 2 कोई तीन घटना प्रसंग 100 से 150 शब्दों में लिखें– 18

(क) गृहस्थ के भरोसे न रहें।

(ख) भीतर तांबा, ऊपर चांदी का झोल।

(ग) भरत क्षेत्र में साधुओं का विरह।

(घ) जेठोजी डफरिया की चर्चा के दो दृष्टांत लिखें।

(ङ) केवल वर्तमान में मौन।

प्र. 3 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) आचार्य श्री भारमल जी किशनगढ़ कब पधारे?

(ख) श्री मज्ज्याचार्य के अन्य समाधानात्मक ग्रन्थ कौन से थे?

(ग) भगवान महावीर ने 'देश-आराधक' किसे कहा?

(घ) औपपातिक सूत्र में मिथ्यात्वी को मोक्ष का अनाराधक किस दृष्टि से बतलाया है?

(ङ) 'विश्व धर्म दर्शन' के लेखक सांवलिया बिहारी लाल वर्मा ने धर्म दान की क्या व्याख्या की है?

(च) लोंकाशाह ने यथार्थ तथ्य को सत्यापित करने के लिए किस सूत्र की साख दी?

(छ) वर्षीदान कौन से कर्म भोगने का उपक्रम है?

(ज) 'पापाचरणात् आत्मरक्षा दया' से क्या तात्पर्य है?

(झ) चूलनीप्रिय श्रावक के लिए देव ने किस शक्ति से उपसर्ग किया?

(ञ) ठाणं सूत्र में वैयावृत्त्य के कितने प्रकारों का उल्लेख है? उसमें दसवां भेद का नाम बतायें।

(ट) वीतरागी के पैर के नीचे आकर कोई जीव मर जाये तो कौन सी क्रिया लगती है?

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 5

(क) भगवान महावीर का सार्वजनिक धर्म साधना का उद्घोष क्या था?

(ख) भगवती सूत्र में सुपात्र दान के लिए क्या कहा गया है?

(ग) कृष्ण लेश्या में प्रथम चार ज्ञान पाना कैसे सम्भव है?

(घ) थावच्चा पुत्र अणगार ने अगार विनय का क्या अर्थ किया?

प्र. 5 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) उदयजन्य लब्धियों का वर्णन करते हुए बतायें कि क्या भगवान महावीर ने उदयजन्य लब्धि का प्रयोग किया था।

(ख) वर्षीदान क्या है? यह सावद्य है या निरवद्य?

प्र. 6 'ठाणं' सूत्र में बतलाये गये दान के भेदों का उल्लेख करते हुए धर्म दान को विस्तार से समझायें। 15

अथवा

भगवान महावीर की दया की सर्वांगीणता पर प्रकाश डालें।

भिक्षु गीता–20

प्र. 7 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 3

(क) व्यक्ति के विकास का सर्वोच्च स्थान कौन सा है?

(ख) गण की आत्मा कौन है?

(ग) सारणा और वारणा से क्या तात्पर्य है?

(घ) स्वभाव के परिवर्तन का मुख्य साधन क्या है?

(ङ) जयाचार्य द्वारा रचित शिक्षा गीत को किस रूप में शिरोधार्य करना चाहिए?

प्र. 8 मनोबल के हेतु तथा दायित्व बोध पर प्रकाश डालें।

अथवा

विनीत का क्या महत्व होता है तथा दोष शुद्धि की प्रक्रिया बताएं।

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) पञ्चामृतमिदं पुण्यं अभिषिक्तो निरन्तरम्।
संघकल्पतरुर्येन पुष्पितः फलितो भवेत्।।

(ख) यत्र वृद्धास्तु पूज्यन्ते सेव्यन्ते सादरं सदा।
चेतः समाधिं नीयन्ते स गणो महतो महान्।।

(ग) इदं केवलिना गम्यं नास्माभिः स्वल्पचेतनैः
इत्युक्त्वा विरमेत्तस्मात् श्रेयो मार्गोऽयमुत्तमः

(घ) यस्मिन् प्रवर्तते कायः चित्तं तत्रैव वर्तते।
शरीरचेतसोरैक्ये मनोबलं प्रवर्धते।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 10 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) आहार पाणी.....उठ जावे।।

(ख) कालो नाग.....वधारें।।

(ग) पुरूषार्थ

(घ) ज्यूं साधु.....आचार।।

(ङ) विनीत तणा.....कांनी थाय।।

(च) दातार री.....छे तयार।।

(छ) हिंसा और धर्म।